



Suraj sharma

30 May 2003

12:45 PM

Rohtasgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121123602

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 30/05/2003
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 12:45:54 घंटे
इष्ट _____: 19:10:22 घटी
स्थान _____: Rohtasgarh
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 24:36:00 उत्तर
रेखांश _____: 83:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:05:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:51:50 घंटे
वेलान्तर _____: 00:02:34 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:21:25 घंटे
सूर्योदय _____: 05:05:45 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:37:31 घंटे
दिनमान _____: 13:31:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 14:35:17 वृष
लग्न के अंश _____: 27:19:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: वृष - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: कृतिका - 3
नक्षत्र स्वामी _____: सूर्य
योग _____: अतिगण्ड
करण _____: चतुष्पाद
गण _____: राक्षस
योनि _____: मेष
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: गरुड़
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

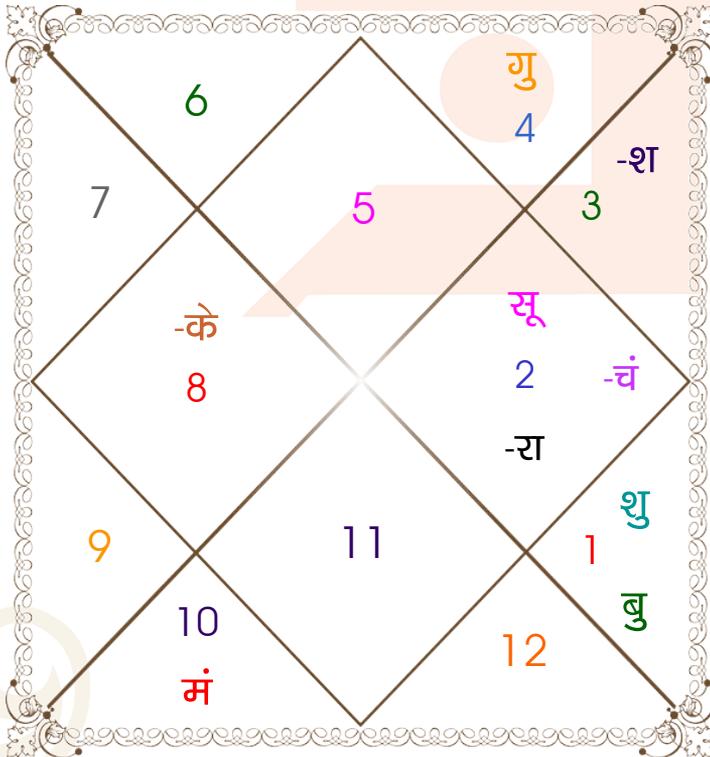
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:19:53	327:37:16	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			वृष	14:35:17	00:57:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	04:58:53	11:51:48	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	27:43:15	00:30:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			मेष	20:53:49	00:42:47	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			कर्क	18:37:40	00:08:45	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	उच्च राशि
शुक्र			मेष	22:54:37	01:12:56	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			मिथु	05:30:07	00:07:28	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
राहु			वृष	05:36:30	00:00:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:36:30	00:00:02	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:53:38	00:00:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:13:52	00:00:27	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:59:00	00:01:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	27:14:03	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

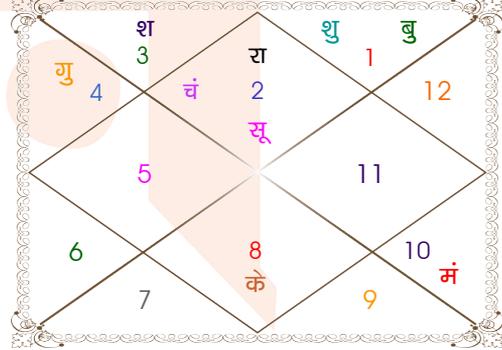
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:01

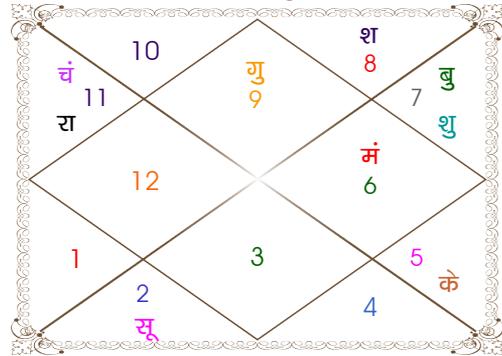
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 3 मास 3 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
30/05/2003	01/09/2005	01/09/2015	01/09/2022	01/09/2040
01/09/2005	01/09/2015	01/09/2022	01/09/2040	01/09/2056
00/00/0000	चंद्र 02/07/2006	मंगल 29/01/2016	राहु 14/05/2025	गुरु 20/10/2042
00/00/0000	मंगल 31/01/2007	राहु 15/02/2017	गुरु 08/10/2027	शनि 02/05/2045
00/00/0000	राहु 01/08/2008	गुरु 22/01/2018	शनि 14/08/2030	बुध 08/08/2047
00/00/0000	गुरु 01/12/2009	शनि 03/03/2019	बुध 02/03/2033	केतु 14/07/2048
30/05/2003	शनि 03/07/2011	बुध 28/02/2020	केतु 21/03/2034	शुक्र 15/03/2051
शनि 20/06/2003	बुध 01/12/2012	केतु 26/07/2020	शुक्र 21/03/2037	सूर्य 01/01/2052
बुध 26/04/2004	केतु 02/07/2013	शुक्र 25/09/2021	सूर्य 12/02/2038	चंद्र 02/05/2053
केतु 01/09/2004	शुक्र 03/03/2015	सूर्य 31/01/2022	चंद्र 14/08/2039	मंगल 08/04/2054
शुक्र 01/09/2005	सूर्य 01/09/2015	चंद्र 01/09/2022	मंगल 01/09/2040	राहु 01/09/2056

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
01/09/2056	01/09/2075	01/09/2092	01/09/2099	02/09/2119
01/09/2075	01/09/2092	01/09/2099	02/09/2119	00/00/0000
शनि 04/09/2059	बुध 28/01/2078	केतु 28/01/2093	शुक्र 02/01/2103	सूर्य 21/12/2119
बुध 15/05/2062	केतु 25/01/2079	शुक्र 30/03/2094	सूर्य 02/01/2104	चंद्र 21/06/2120
केतु 23/06/2063	शुक्र 25/11/2081	सूर्य 05/08/2094	चंद्र 02/09/2105	मंगल 26/10/2120
शुक्र 23/08/2066	सूर्य 02/10/2082	चंद्र 06/03/2095	मंगल 02/11/2106	राहु 20/09/2121
सूर्य 05/08/2067	चंद्र 02/03/2084	मंगल 02/08/2095	राहु 02/11/2109	गुरु 09/07/2122
चंद्र 05/03/2069	मंगल 27/02/2085	राहु 19/08/2096	गुरु 03/07/2112	शनि 31/05/2123
मंगल 14/04/2070	राहु 17/09/2087	गुरु 26/07/2097	शनि 02/09/2115	00/00/0000
राहु 18/02/2073	गुरु 23/12/2089	शनि 04/09/2098	बुध 03/07/2118	00/00/0000
गुरु 01/09/2075	शनि 01/09/2092	बुध 01/09/2099	केतु 02/09/2119	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 3 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रुचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं हैं बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।